

डॉ. पेरी फिलिप्स, मीका, बेल्त्वे के बाहर पैगंबर, सत्र 4, मीका 3

© 2024 पेरी फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. एलेन और पेरी फिलिप्स हैं और मीका की पुस्तक, बेल्त्वे के बाहर पैगंबर पर उनकी शिक्षा। यह सत्र 4, मीका 3 है।

नमस्ते फिर से, पेरी फिलिप्स, मैं अध्याय तीन के लिए वापस आ गया हूँ।

विषय, मीका का परिचय, बेल्त्वे के बाहर पैगंबर। यह मीका के विभिन्न पहलुओं, विहित, भौगोलिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और साहित्यिक का अध्ययन है, और हम अध्याय तीन की ओर बढ़ रहे हैं। सबसे पहले, इस बिंदु तक हमने जो कुछ किया है, उसकी विस्तृत समीक्षा के लिए एक छोटी सी समीक्षा।

हम आपको परिचय और अध्याय एक और दो पर एक नज़र डालने के लिए आमंत्रित करते हैं, जहाँ हम भूगोल, स्थलाकृति, आदि के बारे में अधिक विस्तार से बताते हैं। लेकिन ऐतिहासिक और भौगोलिक परिवेश में, अध्याय एक वाचा विवाद को सामने रखता है। यह वह आरोप है जो प्रभु ने अभियोजक, न्यायाधीश और मुझे यह भी कहना चाहिए कि गवाह के रूप में इस्राएल और याकूब के विरुद्ध वाचा तोड़ने के लिए लगाया है।

फिर, अध्याय दो में, नेताओं के पाप, मुख्य रूप से उत्पीड़न, और भविष्यवक्ताओं के पाप, जो झूठ है। और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, इस पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। खैर, यहाँ अध्याय तीन का परिचय दिया गया है।

इसमें एक चिआस्टिक संरचना है। इससे हमारा तात्पर्य यह है: यह एक काव्यात्मक संरचना है जो चर्चा की जा रही सामग्री पर जोर देती है।

इस विशेष मामले में, हम जो कर सकते हैं वह यह है कि इस अध्याय को तीन इकाइयों में विभाजित करें। पद एक से चार शासकों, नेताओं और प्रमुखों से संबंधित हैं। मीका प्रमुखों के माध्यम से बोल रहा है।

मेरा मतलब राष्ट्रध्यक्षों से है। और फिर त्रयी का दूसरा भाग, यदि आप इसे ऐसा कह सकते हैं, छंद पाँच से आठ, भविष्यवक्ताओं से संबंधित है। और यह प्रभु बोल रहा है।

और फिर अंत में, श्लोक नौ से 12, शासकों के पास वापस जाएँ, और मीका फिर से बोल रहा है। तो हम चलते हैं, मीका, प्रभु, मीका। और चियास्टिक संरचना से हमारा यही मतलब है, ठीक उसी तरह जैसे इसे कुछ समानताओं के साथ एक साथ रखा गया है।

और फिर हम चार छंद, चार छंद, चार छंद लेआउट पर ध्यान देते हैं। लगभग काफी करीब. विवाद या निर्णय का दैवज्ञ, जिसे हमने अध्याय एक में शुरू होते देखा।

यह वह विवाद है जो यहोवा ने लोगों के विरुद्ध किया है क्योंकि वे वाचा तोड़ रहे हैं। और यह आरबीवाई स्कॉट के काम, द रेलेवेंस ऑफ द प्रोफेट्स में आता है। यह पृष्ठ 109 है।

और मैं वही उद्धृत कर रहा हूँ जो वह कहते हैं। हम यहां अध्याय तीन, श्लोक एक में जो पाते हैं, वह अभियुक्त को एक सम्मन है। दूसरे शब्दों में, अब आपको अदालत द्वारा आने और अपना मामला पेश करने के लिए बुलाया जा रहा है।

तो, पद एक में, हमारे पास याकूब के मुखिया और इस्राएल के घराने के शासक हैं। यह सम्मन है। श्लोक दो में, हमारे पास अभियोग है।

तुम जो भलाई से बैर और बुराई से प्रीति रखते हो, तुम पर यही दोष लगाया जाता है। और ऐलेन ने पहले यशायाह 5:20 का उल्लेख किया था, तुम पर धिक्कार है जो सत्य के स्थान पर झूठ और झूठ के स्थान पर सत्य को प्रतिस्थापित करते हो। इस तरह की बात यहां हो रही है।

फिर, ईश्वरीय निर्णय से जुड़ने वाली कड़ी श्लोक 12 में है, श्लोक 12 का पहला भाग। इसलिए, आपके कारण, यही होने वाला है। अब, न्यायाधीश की सजा, जो श्लोक 12 का दूसरा भाग है, जो इस विशेष अध्याय में अंतिम श्लोक है, सिथ्योन को एक खेत के रूप में जोता जाएगा।

तो, चलिए फिर से इस पर नज़र डालते हैं। आरोपी को समन भेजा गया है। दूसरे शब्दों में, अब यहाँ मेरे सामने पेश हो जाओ।

यह अभियोग है। आपने चीजों को उल्टा कर दिया है। आप सच को झूठ और झूठ को सच कह रहे हैं।

अब, इसके परिणामस्वरूप, न्याय होने जा रहा है, और यह अध्याय के अंत में पद 12 के पहले भाग में आता है। और फिर, अंत में, यह वाक्य होने जा रहा है। सिथ्योन को खेत की तरह जोता जाएगा।

दूसरे शब्दों में, सिथ्योन, यरूशलेम का शहर, नष्ट होने जा रहा है। खैर, आइए अब अध्याय 3 की व्याख्या करें क्योंकि हम 4-4-4 संरचना के विवरण में जाते हैं। श्लोक 1 से 4, शासकों की निंदा।

श्लोक 1, और मैं इस विशेष अध्याय के लिए न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबिल का उपयोग कर रहा हूँ। और मैं ने कहा, और यहां हम बात कर रहे हैं मीका, यहां अब याकूब के मुखिया और इस्राएल के घराने के शासक हैं, क्या न्याय जानना तुम्हारा काम नहीं है? यह स्पष्टतः एक अलंकारिक प्रश्न है। निःसंदेह, उन्हें पता होना चाहिए कि न्याय क्या है।

यह अलंकारिक रूप से पूछा जा रहा है। और आप इस विशेष स्लाइड के शीर्ष पर देखेंगे कि मेरे पास तीन के ऊपर एक नोट्स हैं। और इससे मेरा तात्पर्य यह है कि मेरे पास इस नोट के तीन भाग हैं, और यह पहला भाग है।

और आप हर संख्या देख सकते हैं, ताकि आप बता सकें कि मैं इस विशेष स्पष्टीकरण के लिए कितना लंबा प्रयास करूंगा। लेकिन किसी भी कीमत पर, यह इस विशेष अध्याय के विश्लेषण का पहला भाग है। और मैंने कहा, श्लोक 1 से 4 में, ये मीका के हृदय से आ रहे हैं, क्योंकि वह कह रहा है, मेरे लोग कहीं और हैं।

परमेश्वर ने पद 5 में कहा कि यह यिर्मयाह के समान है, जहाँ यिर्मयाह के शब्द प्रभु के शब्दों के साथ मिल जाते हैं। इलेन ने पहले ही इस पर चर्चा की थी। प्रभु के शब्द और भविष्यवक्ता के शब्द, जिन्हें हम पतरस को पढ़कर जानते हैं, पवित्र आत्मा द्वारा निर्देशित हैं।

इसलिए, जब भविष्यवक्ता पवित्र आत्मा के प्रभु से बात करता है, तो वह प्रभु के स्थान पर बोल रहा होता है। इसलिए, प्रभु के शब्द और भविष्यवक्ता के शब्द प्रेरणा के कारण एक ही हैं। और फिर हम यह भी देखते हैं, जैसा कि हमने अध्याय 2, श्लोक 12 में देखा, याकूब और इस्राएल के उपयोग में इस विशेष मामले में उत्तरी और दक्षिणी दोनों राज्य शामिल हैं।

और फिर, अंत में, नेताओं को मुखिया और शासक कहा जाता है। पूर्व में न्यायाधीश भी शामिल हो सकते हैं, जिसका अर्थ है कि कानूनी व्यवस्था शासक वर्ग की तरह ही भ्रष्ट थी। और हम यह देखेंगे क्योंकि हम पाएंगे कि न्याय, हिब्रू मिशपत, न्याय नेताओं द्वारा विकृत किया गया है।

और इसलिए, हम जो पाते हैं वह वास्तव में संपूर्ण व्यवस्था में भ्रष्टाचार है। भविष्यवक्ता भ्रष्ट हो गए हैं। हमने वह देखा है। नेता और राजनीतिक नेता भ्रष्ट हैं।

जैसा कि हम देखते हैं, पुजारी भ्रष्ट हैं। और समाज को बनाने वाली सभी संस्थाएँ भ्रष्ट हो गई हैं। और नतीजा यह हुआ कि वे तौरात से दूर हो गये।

वे यहोवा से विमुख होकर उन मूरतों की ओर फिर गए हैं जिनसे कुछ लाभ नहीं। साथ ही, कोई न्याय नहीं। नेताओं ने, जैसा कि अलंकारिक प्रश्न में कहा, क्या आपको न्याय नहीं जानना चाहिए? यही वह मिशपत है जिसके बारे में मैं बात कर रहा था।

दरअसल, इसका तात्पर्य सिर्फ संज्ञानात्मक ज्ञान से कहीं अधिक है। जैसा कि एक टिप्पणीकार, लिंडब्लॉम ने कहा है, यह उन सभी चीज़ों का योग है जो वाचा के कारण लोगों पर निर्भर हैं। दूसरे शब्दों में, न्याय, मिशपत, एक ऐसी चीज़ है जो समाज की संपूर्ण सामाजिक, धार्मिक संरचना में व्याप्त है।

और न्याय, इसका क्या मतलब है? सरकारी प्रशासन और अदालतों में निष्पक्षता, समता की भावना। कानून के तहत सभी लोगों को एक समान देखा जाना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, जैसा कि एलेन ने पिछले अध्याय पर चर्चा करते समय बताया था।

नहीं, ऐसे लोग हैं जिनके पास दूसरों से अन्यायपूर्ण तरीके से संपत्ति लेने की शक्ति है, और यह न्याय का हिस्सा है। और फिर हम जो पाते हैं वह यह है कि न्याय के संरक्षक, जिन्हें वास्तव में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कानून के तहत समानता है, ये ही लोग हैं जो अपराध के लिए उकसाने वाले और भागीदार बन जाते हैं, विशेष रूप से भूमि माफियाओं का पक्ष लेते हैं, जो फिर

से था इलेन द्वारा पहले उल्लेख किया गया था। उज्जिय्याह के तहत, आपके पास राष्ट्र की समृद्धि और दक्षिणी राज्य की समृद्धि का एक बड़ा विस्तार था, और जाहिर तौर पर, इसके कारण अवैध रूप से सीमाओं का विस्तार हुआ।

जैसे-जैसे हम यहां आगे बढ़ेंगे हमें इसका एक उदाहरण देखने को मिलेगा। खैर, न्याय कैसे होना चाहिए? हमारे पास बाद में भविष्यवक्ता यिर्मयाह है, जो बेबीलोनियों के आने और यरूशलेम को नष्ट करने से पहले भविष्यवाणी करता है। वह भी यरूशलेम में हो रहे अन्याय में रुचि रखता है। और यह वह है जो हम यिर्मयाह 22, श्लोक 16 में पढ़ते हैं।

वह, राजा योशिय्याह, गरीबों और जरूरतमंदों के मामले का न्याय करता था, तब अच्छा था। क्या यह मुझे जानने के लिये नहीं है, यहोवा की यही वाणी है। और नेताओं को इसी तरह व्यवहार करना चाहिए।

और फिर हम वही बात नए नियम के जेम्स अध्याय 2 में व्यक्त पाते हैं, जहां जेम्स कहते हैं कि प्रभु के लिए हमारा प्यार वास्तव में उस प्यार में व्यक्त होगा जो हम दूसरे लोगों के लिए रखते हैं और जिस तरह से हम उनकी देखभाल करते हैं। दूसरे लोगों को गाली देकर नहीं। पद 2 पर आगे बढ़ते हुए। खैर, अलंकारिक प्रश्न यह है कि क्या आपको न्याय नहीं जानना चाहिए? और, निःसंदेह, उत्तर हाँ है, लेकिन वे ऐसा नहीं करते। हम इसे श्लोक 2 में देखते हैं, जहां हम निम्नलिखित पढ़ते हैं: तुम जो भलाई से बैर और बुराई से प्रेम रखते हो, जो उन पर से उनकी खाल और उनकी हड्डियों पर से उनका मांस फाड़ देते हो।

वाह, यह एक बहुत ही गंभीर आरोप है जो नेताओं के खिलाफ लगाया जा रहा है। इसका क्या मतलब हो सकता है? तुम जो भलाई से नफरत करते हो और बुराई से प्यार करते हो, जैसा कि हम आमोस अध्याय 5, श्लोक 15 में पाते हैं, प्रभु आमोस के माध्यम से लोगों से क्या कहता है? बुराई से नफरत करो, भलाई से प्यार करो, फाटक में न्याय स्थापित करो। और अब यरूशलेम में ठीक इसके विपरीत हो रहा है।

यशायाह अध्याय 1, ये आयतें हैं, 16 का अंतिम भाग और 17, बुराई करना बंद करो, भलाई करना सीखो, न्याय की तलाश करो, निर्दयी को डांटो, अनाथों की रक्षा करो। ठीक वही जो इलेन ने कहा कि उन्हें करना चाहिए था, वे नहीं कर रहे हैं। और यह अध्याय 3 में भी आता है।

अंत में विधवा के लिए दलीलें दीजिए। ये वे लोग हैं जो अपना बचाव नहीं कर सके। मैं फिर से अपनी बात दोहराता हूं: नेता इन खास लोगों के लिए मिशपत करने के बजाय, अपने फायदे के लिए उन्हें गाली दे रहे हैं।

यह अध्याय 2, श्लोक 8 और 9 के विषय को बहुत स्पष्ट शब्दों में उठाता है। एक जंगली मांसाहारी की सादृश्यता पर ध्यान दें। मांसाहारी क्या करते हैं? वे शिकार को पकड़ते हैं, उसे फाड़ देते हैं और हड्डियों को चबा जाते हैं।

यह उस घटिया व्यवहार की ज्वलंत भाषा है जो शासक जनता के प्रति दिखा रहे हैं। नेताओं को निगरानी रखने वाला होना चाहिए, लेकिन इसके बजाय वे हिंसक जानवर बन गए हैं। निगरानी

रखने वाले होने के बजाय, वे कुत्ते बन जाते हैं, जंगली कुत्तों की तरह जो मूल रूप से शिकार पर हमला करते हैं और फिर उसे फाड़ देते हैं।

यह वही हो सकता है जिसका जिक्र मीका कर रहा है, या हो सकता है कि मीका उस नरभक्षण का जिक्र कर रहा हो जो तब होने वाला है जब यरूशलेम की घेराबंदी होगी। अब अशशूर की घेराबंदी के मामले में ऐसा नहीं था, क्योंकि वे यरूशलेम के फाटकों में कभी प्रवेश नहीं कर सके। लेकिन बेबीलोन की घेराबंदी में, बहुत अधिक नरभक्षण चल रहा था।

और इसलिए, चीर-फाड़, मांस को चीरना, आदि, इसके बारे में सोचना भयानक है, लेकिन यह लोग हो सकते हैं जो शहर में दूसरों पर हमला कर रहे हैं क्योंकि वे बहुत भूखे हैं, उनके पास इतना भोजन नहीं है कि वे नरभक्षण का सहारा ले रहे हैं। यह अभिव्यक्ति, नरभक्षण का विचार, 2 राजाओं के अध्याय 6 में भी दिखाई देता है, जब उत्तर से हमला होता है, और सामरिया शहर को बंद कर दिया जाता है, ड्रम में और भी कसकर, और दो महिलाओं के बीच एक चर्चा होती है जो अपने बच्चों को भोजन के लिए इस्तेमाल कर रही हैं। और यह आप खुद पढ़ सकते हैं।

फिर से, 2 राजा अध्याय 6. मीका शायद उन नेताओं की तुलना नरभक्षी से कर रहे हैं जो लोगों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। वे शाब्दिक रूप से नरभक्षण नहीं कर रहे हैं, लेकिन वे उस न्याय को नरभक्षण कर रहे हैं जो वास्तव में लोगों का है। आंसू शब्द का प्रयोग हिब्रू गज़ल है।

और मीका 2, अध्याय 2, श्लोक 2 में खेतों को नष्ट करने, खेतों का लालच करने और उन्हें नष्ट करने के लिए इस्तेमाल किया गया शब्द, दिलचस्प बात यह है कि, एक ही शब्द है। तो, इसका संबंध घोर सामाजिक उत्पीड़न और भूमि को छीनने, विधवाओं और अनाथों से विरासत छीनने से है। और हमारे पास युद्ध के दिग्गज वापस आ रहे हैं।

खैर, युद्ध चल रहा है। युद्ध में मारे गए लोग वापस नहीं आ रहे हैं। और इसलिए, पत्नी क्या करने जा रही है? बच्चे क्या करने जा रहे हैं? खैर, ज़मीन के सरदारों में से कोई आकर उन्हें उनकी ज़मीन के लिए डॉलर पर पैसे दे सकता है, लेकिन उन्हें वह सौदा स्वीकार करना होगा अन्यथा वे भूखे मर जाएंगे। सभोपदेशक ने गज़ल शब्द का भी इस्तेमाल किया है।

और वह कहते हैं, यदि आप मिशपत में गरीबों की गज़ल देखते हैं, तो ठीक है, वह आगे कहते हैं, बहुत आश्चर्यचकित मत होइए क्योंकि दुनिया के कुछ हिस्सों में चीजें ऐसी ही हैं। और अंत में, यशायाह अध्याय 61, भगवान मिशपत से प्यार करता है, लेकिन वह गज़ल से नफरत करता है। तो, यह सिर्फ मीका नहीं है जो इस पर परेशान हो रही है।

निःसंदेह, स्वयं भगवान भी इस पर परेशान हो रहे हैं। संक्षेप में, और जो मैंने पहले ही कहा है उसका सारांश दे रहा हूँ, नेताओं को मिशपत का अभ्यास करना चाहिए था, लेकिन वे गज़ल का अभ्यास कर रहे हैं। पद तीन, फिर हे प्रधानों, तुम जो मेरी प्रजा का मांस खाते हो, उनकी खाल उतारो, उनकी हड्डियां तोड़ो, और उन्हें हांडी और केतली में के मांस की नाई काट डालो।

तो, पिछले शब्द में मांस को फाड़ने की बात की गई थी। और अब यह कहता है कि आप वास्तव में उन्हें पका रहे हैं, मांस खा रहे हैं। यह मूल रूप से उत्पीड़न के लिए एक सामान्य शब्द है।

तो जाहिर है, यह कहने का एक स्पष्ट तरीका है कि घोर, घोर उत्पीड़न हो रहा है। हम इसे शास्त्र के अन्य भागों में भी देखते हैं। भजन 14, पद चार: क्या दुष्टता के सभी कार्यकर्ता नहीं जानते कि मेरे लोगों को कौन खा जाता है जैसे वे रोटी खाते हैं? खैर, वे इसे शाब्दिक रूप से नहीं कर रहे हैं।

इसका मतलब सिर्फ़ इतना है कि यहाँ घोर अत्याचार हो रहा है। आप इसे भजन संहिता में भी पाते हैं। भजन संहिता 27, पद दो: जब दुष्ट लोग मेरा मांस खाने के लिए मुझ पर आक्रमण करेंगे, मेरे विरोधी और मेरे शत्रु, वे ठोकर खाकर गिरेंगे।

दूसरे शब्दों में, वे मुझ पर अत्याचार कर रहे हैं। वे मुझ पर जानवरों की तरह, मांसाहारी जानवरों की तरह हमला करने के लिए तैयार हैं। नीतिवचन अध्याय 30, श्लोक 14 में कहा गया है कि एक प्रकार का मनुष्य है जिसके दाँत तलवारों की तरह और उसके जबड़े चाकू की तरह हैं ताकि वे धरती से दीन-दुखियों को और मनुष्यों में से दरिद्रों को खा जाएँ।

आप समझ सकते हैं कि मीका जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह नेताओं के खिलाफ़ एक बहुत ही गंभीर आरोप है, जो ये भूखे भेड़िये हैं जो अपने रास्ते में आने वाले हर व्यक्ति को निगलने और उनकी संपत्ति छीनने और मिशपात के बजाय गज़ल करने के लिए तैयार रहते हैं। और अंत में, खाल उतारना, हड्डियों को तोड़ना और काटना। यह दर्शाता है कि उत्पीड़न किस हिंसा के साथ हो रहा है।

पद्य चार, यह पुरातन संरचना के पहले भाग का अंत है। तब वे, अगुवे, प्रभु को पुकारेंगे, लेकिन वह उन्हें उत्तर नहीं देगा। इसके बजाय, वह उस समय उनसे अपना चेहरा छिपा लेगा क्योंकि उन्होंने बुरे कर्म किए हैं।

देखिए, अब यह उस माप-दर-माप की बात पर वापस आ रहा है जिसके बारे में एलेन बात कर रही थी। तुम इस तरह से व्यवहार करते हो? ओह, हाँ, तुम तब ठीक थे जब कोई तुम्हारे कंधे पर नज़र नहीं रख रहा था, जब कोई तुम पर हमला नहीं कर रहा था, जब कोई तुम पर अत्याचार नहीं कर रहा था, लेकिन अब तुम पर असीरियनों द्वारा अत्याचार किया जा रहा है, और अब तुम मुझे बुला रहे हो। उह-उह, यह काम नहीं करेगा।

मैं तुम्हारे साथ वैसा ही व्यवहार करूँगा जैसा तुम उन लोगों के साथ करते हो जिन पर तुम अत्याचार करते रहे हो। मेरे एक अच्छे दोस्त कहते हैं कि अगर तुम व्याख्यान में कुछ ग्रीक या लैटिन नहीं डालोगे तो कोई भी तुम्हें बुद्धिमान नहीं समझेगा। तो, यहाँ लैटिन वाला हिस्सा है।

क्या तुम लोगों की दोहाई नहीं सुनते, इसलिये यहोवा तुम्हारी दोहाई न सुनेगा। उपाय के लिए उपाय। तो, वैसे, यह एक मजबूत हिब्रू निर्माण है, जो इस बात पर जोर देता है कि क्या हो रहा है क्योंकि, या उसके अनुसार, या विशेष रूप से उस कारण से, चूँकि आपने दूसरों पर अत्याचार किया है, जब उन्होंने आपके लिए पुकारा तो आपने उनकी चीखें नहीं सुनीं। दया।

अब मैं आपकी बात नहीं मानने वाला। तुम्हें बिल्कुल वही कष्ट सहना पड़ेगा जो उन्होंने सहा है। और तब यहोवा वाचा की अवज्ञा के कारण अपना मुख छिपाएगा।

तुम वाचा तोड़ते हो, मुझसे सहायता की आशा मत करो। और यह दिलचस्प है कि क्रिया उसका चेहरा छुपाती है, जिसका अर्थ है कि आप मुझे आपके साथ किसी भी अच्छे तरीके से अभिनय करते हुए नहीं देखेंगे। मैं तुमसे छिपने जा रहा हूँ।

अपने चेहरे को छिपाने का विचार वास्तव में व्यवस्थाविवरण में वाचा में सामने आता है; उसी शब्द का प्रयोग किया गया है। आप देख सकते हैं कि कैसे मीका और अन्य भविष्यद्वक्ता, जो वाचा लागू करने वाले हैं, मूसा की भाषा को अपनाते हैं और फिर अपने विशेष समय पर उसका प्रयोग करते हैं। व्यवस्थाविवरण 31, पद 17 में, यदि लोग अवज्ञा करते हैं, तो प्रभु निम्नलिखित कहते हैं: उस दिन मेरा क्रोध उन पर भड़केगा।

मैं उन्हें त्याग दूँगा और उनसे अपना चेहरा छिपा लूँगा। इसलिए, चेहरा छिपाने का मतलब है कि मैं उन्हें त्याग रहा हूँ। मैं उनसे तंग आ चुका हूँ।

हम इसे व्यवस्थाविवरण के अध्याय 32 में फिर से देखते हैं। लेकिन मैं उस दिन निश्चित रूप से अपना चेहरा छिपा लूँगा, अर्थात् अवज्ञा, क्योंकि वे सभी बुरे काम करेंगे, क्योंकि वे अन्य देवताओं की ओर मुड़ेंगे। और यही ठीक वैसा ही है जैसा कि अब मीका के समय में हो रहा है।

वे दूसरे देवताओं की ओर फिर गए हैं, परमेश्वर ने उन्हें डांटा है, और अब वह उन से अपना मुंह फेर लेगा। वह उन्हें अस्वीकार करने जा रहा है। मीका के समकालीन यशायाह से, पहले अध्याय में, जब आप प्रार्थना में अपने हाथ फैलाते हैं, हे भगवान, हमें बचाएं।

और वह क्या कहता है? मैं अपनी आंखें छिपा लूँगा, इसी तरह की अभिव्यक्ति मैं अपना चेहरा तुमसे छिपाऊँगा। हाँ, चाहे तुम बहुत प्रार्थना करो, तौभी मैं न सुनूँगा। तुम्हारे हाथ खून से लथपथ हैं।

और याद रखें, यशायाह और मीका समकालीन थे। तो, आइए यहां सामान्य सिद्धांत पर एक नजर डालें। भजन 34, 16, प्रभु का मुख दुष्टों के विरुद्ध है, कि उनका स्मरण पृथ्वी पर से मिटा दे।

और उसने निश्चित रूप से उन लोगों के साथ ऐसा किया जिनके बारे में मीका बात कर रहा है। नीतिवचन अध्याय 21, श्लोक 13, कहता है कि जो व्यक्ति गरीबों की पुकार पर अपना कान बंद कर लेता है, जैसा कि निश्चित रूप से मीका के नेता कर रहे थे, वह खुद भी रोएगा और उसका उत्तर नहीं दिया जाएगा। तुम उनकी बात नहीं सुनते, मैं तुम्हारी बात नहीं सुनता।

दूसरी ओर, आशा यहाँ है। जब भजनकार, भजन 102 कहता है, मेरे संकट के दिन अपना मुख मुझ से मत छिपा, जिस दिन मैं पुकारूँ उस दिन अपना कान मेरी ओर लगा, और तुरन्त उत्तर दे। संभवतः, भजनकार ने संकट में पड़े लोगों से अपने कान बंद नहीं किए थे या अपना मुख नहीं छिपाया था।

क्योंकि यहोवा धर्मी है, वह धर्म से प्रेम करता है, धर्मी लोग उसका मुख देखेंगे। यह भजन 11 है। तो, आप देखते हैं कि मुख को छिपाना, मुख को देखना, परमेश्वर के मुख की उपस्थिति, हम देखते हैं कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है।

और फिर अंत में, भजन 105 में, प्रभु और उसकी ताकत की तलाश करें, लगातार उसके चेहरे की तलाश करें। दूसरे शब्दों में, उसकी मदद की तलाश करें और दूसरों की मदद करके ऐसा करें। अब हम अपनी चियास्टिक संरचना के दूसरे भाग पर आते हैं।

यह पद 5 से 8 है। ये सच्चे भविष्यवक्ता मीका के विपरीत झूठे भविष्यवक्ता हैं। और यहीं से भगवान स्वयं बोलना शुरू करते हैं। यहोवा उन भविष्यवक्ताओं के विषय में यों कहता है जो मेरी प्रजा को भटका देते हैं।

जब उनके पास खाने को कुछ होता है, तो चिल्लाते हैं, हे कुशल, परन्तु जो उनके मुंह में कुछ नहीं डालता, उस से युद्ध की घोषणा करते हैं। यह वही बात है जो एलेन अध्याय 2 में कह रही थी, और वह यह है कि, ये वे भविष्यवक्ता हैं जो टपकते हैं। यदि आप उन्हें पर्याप्त भुगतान करेंगे तो वे टपक पड़ेंगे। वे तुम्हारे लिये अच्छी बातों की भविष्यवाणी करेंगे।

ये मूलतः भविष्यवक्ताओं की तरह हैं। यदि आप उन्हें पर्याप्त धन देंगे, तो वे कुछ अच्छा कहेंगे। परन्तु यदि आपने उन्हें पर्याप्त भुगतान नहीं किया है, तो वे आप पर अनिष्ट की भविष्यवाणी करेंगे।

और ऐसा प्रतीत होता है कि भविष्यवक्ताओं और नेताओं के बीच मिलीभगत है, आप निश्चित होंगे कि लोगों को वही मिलेगा जो उन्हें मिलना चाहिए जैसा कि भविष्यवक्ताओं ने घोषित किया है क्योंकि वे उन्हें पर्याप्त धन नहीं दे रहे हैं। यह एक तरह का भविष्यवक्ता सरकारी परिसर है जिसके बारे में हम यहाँ बात कर रहे हैं। अब, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, और मैंने कहा, के बीच अंतर पर ध्यान दें, इस प्रकार प्रभु कहते हैं।

आप यहाँ उस अंतर्विरोध को देख सकते हैं जिसके बारे में एलेन बात कर रही थी, जहाँ भविष्यवक्ता के शब्द ही शब्द हैं और इसके विपरीत। झूठे भविष्यवक्ता मूल रूप से भविष्यवक्ता बन गए जो अच्छे वेतन पर अच्छाई की भविष्यवाणी करते थे और बुरे वेतन पर बुरा। यिर्मयाह के समय में भी ऐसा ही हुआ था।

यिर्मयाह के हाथ झूठे भविष्यवक्ताओं से भरे हुए थे, और मीका को झूठे भविष्यवक्ताओं का सामना करना पड़ा जो उन लोगों के लिए भविष्यवाणी करते थे जो उन्हें पैसे देते थे। और जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया था, एलेन ने जो उल्लेख किया था, उस पर ध्यान दें, यह एलिय्याह के समय में भी हुआ था। और इसलिए, इस्राएल में झूठी भविष्यवाणी का एक लंबा इतिहास है।

1 राजा अध्याय 17 और फिर 22 में जो अंश मैंने यहाँ पढ़ा है, उसमें हम उन झूठे भविष्यवक्ताओं के बारे में पढ़ते हैं जो एलिय्याह के विरुद्ध खड़े हुए थे। माउंट कार्मेल पर किए गए बलिदानों के कारण झूठे भविष्यवक्ताओं का अंत अच्छा नहीं हुआ। और व्यवस्थाविवरण 13 और 18 में निर्देश

दिए गए हैं कि सच्चे भविष्यवक्ता और झूठे भविष्यवक्ता के बीच अंतर कैसे बताया जाए, और इसका संबंध इस बात से है कि भविष्यवाणियाँ सच होती हैं या नहीं।

खाने के लिए कुछ है। भविष्यवक्ताओं के पास खाने के लिए कुछ है यदि उनके पास खाने के लिए कुछ है। वस्तुतः, यह नहीं बताता कि उनके पास खाने के लिए कुछ है या नहीं, यह कहता है कि कौन अपने दांतों से काटता है, हिब्रू नाशक , और यह शब्द सांप के घातक काटने से संबंधित है।

दूसरे शब्दों में, यदि आप उन्हें वह राशि नहीं देंगे जिसकी वे तलाश कर रहे हैं तो वे वास्तव में आप पर हावी हो जाएंगे। और नाशक का दूसरा रूप , हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि यह ब्याज सहित पैसा उधार देने से संबंधित है। और यही वह शब्द है जिसका प्रयोग व्यवस्थाविवरण अध्याय 23 में किया गया है, जब वह कहता है, तू अपने देशवासियों से ब्याज न लेना।

अपने देशवासियों पर अत्याचार नहीं करोगे। आप ब्याज नहीं लेंगे। और कुछ लोग इसे अत्यधिक रुचि के रूप में अनुवादित करते हैं।

खैर, आप सोच रहे होंगे कि अत्यधिक ब्याज क्या होता है। और दिलचस्प बात यह है कि जब आप नहेम्याह के पास जाते हैं, तो वहां के लोग 1% ब्याज ले रहे होते हैं, और नहेम्याह इसके लिए उनकी निंदा करते हैं। उन्हें उस व्यक्ति को सौ में से एक हिस्सा देना होता था जिससे उन्होंने पैसे लिए थे, और नहेम्याह ने कहा, नहीं, आप ऐसा नहीं कर सकते।

आपने इसे भी काट दिया। यह आधुनिक वित्त से कैसे जुड़ा है, यह मैं श्रोता पर छोड़ता हूँ। लेकिन यह उस सत्यता को भी संदर्भित कर सकता है जिसके द्वारा झूठे भविष्यवक्ता अपनी रिश्त प्राप्त करने के लिए शांति की दुहाई देने को तैयार रहते हैं।

तो, यहाँ नेताओं और भविष्यवक्ताओं के लिए पूरी भाषा हिंसा, सत्यता, हिंसा है। यह सब पीछे के कोनों में नहीं किया जा रहा है। यह सब खुलेआम किया जा रहा है।

यह सबके लिए स्पष्ट है, लेकिन नेताओं को इसकी परवाह नहीं है। कोई मिशपैट नहीं है . झूठे भविष्यवक्ता जो कर रहे हैं उससे मीका क्रोधित है।

मीका कई बार मेरे लोग वाक्यांश का प्रयोग करता है। वह लोगों से पहचान बनाता है. लोगों के साथ जो हो रहा है वह व्यक्तिगत रूप से उनका अपमान है क्योंकि वह लोगों से प्यार करते हैं, और वह उन्हें प्रताड़ित होते नहीं देखना चाहते।

जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, मीका में इसका बहुत उपयोग किया जाता है, और ये वे अंश हैं जिनमें इसका उपयोग किया गया है। संक्षेप में, मीका केवल परमेश्वर का संदेश नहीं दे रहा है। जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, वह व्यक्तिगत रूप से उस बुराई से आहत है जो झूठे भविष्यवक्ता कर रहे हैं।

देखो, उसके पेशे में यह बुरा लग रहा है। श्लोक 6: इसलिथे हे भविष्यवक्ताओं, तुम्हारे लिथे वह रात होगी, और तुम्हारे लिथे न तो कोई दर्शन होगा, और न अन्धियारा, और न भविष्यवक्ताओं।

भविष्यद्वक्ताओं, अर्थात् झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिये सूर्य अस्त हो जाएगा, और उन पर दिन अन्धियारा हो जाएगा।

आखिरी चीज़ जो एक भविष्यवक्ता चाहता है वह है दर्शन न पाना। आपके लिए रात, झूठे भविष्यद्वक्ताओं, बिना दृष्टि के, दिलचस्प बात यह है कि उस विशेष शब्द का उपयोग किया जाता है क्योंकि दृष्टि के लिए यह शब्द वही शब्द है जो मीका में है, अध्याय एक, श्लोक एक, जो पूरी किताब शुरू करता है, और यह कहता है, यह है मीका ने क्या देखा, जिसने सामरिया और यरूशलेम के लिये जो कुछ निर्धारित किया था उसे देखा। यह वही शब्द है जिसका प्रयोग किया जा रहा है।

लेकिन अंधेरा तो रहेगा। दूसरे शब्दों में, झूठे भविष्यवक्ता सत्य नहीं देखेंगे। यह उस प्रकार का दृष्टिकोण नहीं है जो उनके पास होने वाला है, और उदाहरण के रूप में सूर्य को नियोजित करने वाली समानांतर शिक्षा यह है कि जब सूर्य अस्त हो जाता है, तो अंधेरा होता है, और सूर्य अस्त होने वाला होता है।

यह झूठे भविष्यवक्ताओं पर भारी पड़ने वाला है। अब, दिलचस्प बात यह है कि इसका क्या मतलब हो सकता है, खैर, मैं इसके बारे में अगले श्लोक में बताऊंगा। द्रष्टाओं को लज्जित होना पड़ेगा।

यह पैगंबर, भविष्यवक्ता, द्रष्टा और भविष्यवक्ता के लिए एक और शब्द है; दिलचस्प बात यह है कि अधिक जादूगर, अधिक लोग जो ऐसा करते हैं, जैसे कि चुड़ैलें सहती हैं, वे शर्मिंदा होंगे। वास्तव में, वे सभी अपना मुंह ढक लेंगे क्योंकि भगवान की ओर से कोई जवाब नहीं आता है। भविष्यद्वक्ताओं के बजाय द्रष्टा, दृष्टि के लिए एक ही शब्द है और इसका उपयोग उन भविष्यद्वक्ताओं के लिए किया जाता है जिन्हें द्रष्टा भी कहा जाता है, लेकिन इस विशेष मामले में झूठे लोग शर्मिंदा होंगे, बेशक, क्योंकि उनके दर्शन सच होने वाले नहीं हैं।

नहीं, वे अपना पैसा लेंगे और फिर अगले बेवकूफ के पास भाग जाएंगे जो उन्हें भविष्यवाणी करने के लिए काम पर रखता है। इस आयत में हमें बताया गया है कि भगवान की ओर से कोई जवाब नहीं है। क्या इसका मतलब यह है कि एक समय में, शायद उन्हें जवाब मिले लेकिन वे घमंडी हो गए, और अब वे भगवान के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि अपने खुद के संदेश को आगे बढ़ाने और उससे लाभ उठाने के लिए इसमें लगे हुए हैं? बहुत दिलचस्प बात यह है कि भगवान की ओर से कोई जवाब नहीं है।

वे अपना मुंह ढकते हैं, वस्तुतः अपनी मूँछें ढकते हैं, और हमें बताया गया है कि कुष्ठरोगियों को अपनी मूँछें ढकनी होती हैं। ठीक है, शायद, आप जानते हैं, मूँछें सूची में सबसे ऊपर हैं, इसलिए आप अपना मुंह ढक लेते हैं, और उन्हें चिल्लाना होता है, अशुद्ध, अशुद्ध। भविष्यवक्ता यही करने जा रहे हैं, परन्तु यह लज्जा के कारण होगा।

यह शर्मिंदगी का संकेत होने जा रहा है जिसे हम उन छंदों में देखते हैं जिनका मैंने यहां उल्लेख किया है, जकर्याह और यशायाह। फिर, यहजेकेल, अध्याय 24 में, यह शोक का संकेत है। तो, ऐसा लगता है कि इसका मतलब शर्मिंदगी और शोक दोनों है।

हम नहीं जानते कि मूल प्रथा कहां से आई। शायद यह शोक मनाते समय बातचीत से बचने के लिए था। आप जानते हैं, मैं शोक मना रहा हूँ, कृपया मुझे परेशान न करें।

शायद यह आज काली पट्टी बांधने जैसा है जो सिर्फ यह दर्शाता है कि आप शोक मना रहे हैं। आखिरी चीज़ जो आप काली पट्टी पहने हुए व्यक्ति के साथ करना चाहते हैं, वह है पिछले सप्ताहांत के फुटबॉल खेल के बारे में बात करना। दूसरी ओर, श्लोक 8, मैं सामर्थ्य से, प्रभु की आत्मा से, और न्याय और साहस से भरा हुआ हूँ ताकि याकूब को उसके विद्रोही कार्य, यहाँ तक कि इस्राएल को उसके पाप के बारे में बता सकूँ।

मीका के लिए यह बिलकुल विपरीत है। वह जानता है कि वह प्रभु की आत्मा से भरा हुआ है। झूठे भविष्यवक्ताओं के विपरीत, मीका परमेश्वर की आत्मा से भरा हुआ है, और हम नए नियम, 2 पतरस, अध्याय 1, पद 21 का संदर्भ देते हैं, कोई भी भविष्यवाणी कभी भी मानवीय इच्छा से नहीं की गई थी, बल्कि पवित्र आत्मा से प्रेरित लोगों ने परमेश्वर की ओर से बात की थी।

और यही सच्चे और झूठे भविष्यवक्ता के बीच का अंतर है। और परमेश्वर की आत्मा होने से मीका को हिम्मत मिलती है। यह बहुत दिलचस्प है, जब आप प्रेरितों के काम, अध्याय 4 को देखते हैं। प्रेरित आत्मा से भरे हुए थे और निडरता से बोलते थे।

इसलिए, झूठे भविष्यवक्ताओं, नेताओं और पुजारियों से मीका को मिलने वाले सभी विरोध के बावजूद, वह अभी भी साहसपूर्वक बोलने में सक्षम है क्योंकि वह परमेश्वर की आत्मा से भरा हुआ है। और झूठे भविष्यवक्ताओं के विपरीत, मीका सच बताएगा, ताकि याकूब को, यहाँ तक कि इस्राएल को भी, उनके अपराधों और उनके पापों के बारे में बता सके। यह एक आसान संदेश नहीं है।

कोई अपने ही लोगों के पास जाकर यह नहीं कहना चाहता कि आपने पाप किया है, आपने अनुबंध तोड़ा है, भगवान आपका न्याय करेंगे, और फिर सारा विरोध होगा, फिर भी सत्य का प्रचार करना जारी रखें। लेकिन मीका इसी स्थिति में है। झूठे भविष्यवक्ताओं की एक विशेषता, हम पाते हैं, लोगों को वही बताने की उनकी प्रवृत्ति है जो वे सुनना चाहते हैं।

यह मूल रूप से राजनेताओं के पद के लिए दौड़ने जैसा है। ओह, तुम क्या सुनना चाहते हो? ओह, आप हर बर्तन में एक चिकन रखना चाहते हैं? ठीक है, ठीक है, मैं यह करूँगा। 1 किंग्स, अध्याय 22, उस संबंध में बहुत रुचि रखता है।

राजा अहाब और राजा यहोशापात सामरिया में एकत्र हुए हैं, और प्रश्न यह है कि क्या राजा अहाब रामोत गिलाद पर आक्रमण करने जा रहा है। और उससे पहले कुछ भविष्यवक्ता हुए हैं जो कहते हैं, हाँ, हाँ, ऊपर जाओ, ऊपर जाओ, तुम विजयी होगे, आदि। वे झूठे भविष्यवक्ता हैं।

परन्तु एक भविष्यवक्ता है जो उसे सत्य बताता है। दिलचस्प बात यह है कि किसी तरह, अहाब को एहसास होता है, शायद मुझे किसी अन्य भविष्यवक्ता को बुलाना चाहिए जिसका सच बोलने का इतिहास हो जो मुझे बताए कि वास्तव में क्या हो रहा है। और इसलिए, वह एक अन्य भविष्यवक्ता को मीकायाह कहता है।

इस सन्दर्भ में दिलचस्प बात यह है कि जो व्यक्ति मीकायाह के पास जाता है और उसे बुलाता है, वह उससे यह कहता है: देखो, भविष्यवक्ताओं के शब्द एक मन से राजा के अनुकूल हैं। अपना वचन उनमें से किसी एक के वचन के समान हो और अनुकूलता से बोलें। दूसरे शब्दों में, बाकी सब जो कह रहे हैं उसका पालन करें।

खैर, मीकायाह ने ऐसा नहीं किया। उस ने उस से कहा, अहाब, यदि तू युद्ध करने जाएगा, तो मर जाएगा। और बिल्कुल वही हुआ।

और यह यिर्मयाह में हो रहा है। उन्होंने शांति नहीं होने पर शांति, शांति कहकर मेरे लोगों के घावों को हल्के से ठीक किया है, क्योंकि लोग यही सुनना चाहते थे। 2 तीमुथियुस में, हम पाते हैं कि अंतिम दिनों का समय आ रहा है, जो, मेरी राय में, यीशु के स्वर्गारोहण से लेकर उसके दोबारा आने तक के समय को कवर करता है।

परन्तु पौलुस तीमुथियुस के द्वारा कहता है, क्योंकि ऐसा समय आता है, कि लोग खरे उपदेश को न सह सकेंगे, परन्तु कान खुजलाने के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये शिक्षक बटोर लेंगे। फिर, राजनेताओं की तरह लगता है। खैर, आइए अपनी धार्मिक संरचना के अंतिम भाग की ओर चलें, नेताओं की निंदा करने की ओर।

तो, हमारे पास नेता और भविष्यवक्ता थे, और अब हम नेताओं की ओर वापस जा रहे हैं। श्लोक 9: अब यह सुनो, याकूब के घराने के प्रमुखों और इस्राएल के घराने के शासकों, जो न्याय से घृणा करते हैं और जो कुछ सीधा है उसे मोड़ देते हैं। खैर, यह बहुत कुछ वैसा ही लगता है जैसा हमने पहले देखा है।

नेता सीधे लोगों को टेढ़ा बना देते हैं, और जो उन्हें करना चाहिए उसके बिल्कुल विपरीत काम करते हैं। और मैं यशायाह अध्याय 5, श्लोक 20 का हवाला देता हूँ। हाय तुम पर जो बुराई को अच्छा और अच्छाई को बुरा कहते हो, जो कड़वे को मीठा और मीठे को कड़वा कहते हो, जो अंधकार को उजाले और उजाले को अंधकार कहते हो।

यही पूरा प्रसंग है। मिशपत और गजल को उलट दिया गया है। न्याय को उलट दिया गया है।

कोई नहीं है। नेता न्याय का तिरस्कार करते हैं। ओह, वे चले गए, नहीं, हम नेता हैं, हम न्याय का तिरस्कार नहीं करते।

और फिर भी, वास्तव में, अपने कार्यों से, वे ऐसा करते हैं। वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं, लेकिन जिस तरह से वे कार्य करते हैं, उससे यह वास्तविक रूप से सच हो जाता है। जिस तिरस्कार

शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह हिब्रू ता'ब है, जिसका अर्थ घृणा करना, घृणा करना, नफरत करना, घृणा करना भी है।

तो, नेताओं, उन्हें न्याय पसंद नहीं है। वे इससे घृणा करते हैं। वे इससे घृणा करते हैं, घृणा करते हैं। वे इससे नफरत करते हैं। और मूल रूप से, वे जनता के बारे में जो सोचते हैं वह उचित है, वे हमारी संतुष्टि और हमारे संवर्धन के मोहरे मात्र हैं। और आप अय्यूब में भी इसी प्रकार की बात घटित होते हुए पाते हैं, जहाँ अय्यूब कहता है, मेरे मित्र और परिवार मुझसे घृणा करते हैं। पद 1:19 और मैं झूठ से घृणा करता हूँ, अर्थात् झूठ से घृणा करता हूँ। और अमोस मीका के समान है।

श्लोक 10, ये नेता, झूठे नेता जो खूंखार भेड़ियों की तरह लोगों का दुरुपयोग करते हैं, वे रक्तपात के साथ सियोन और हिंसक अन्याय के साथ यरूशलेम का निर्माण करते हैं।

इस तरह से वे हिंसा के साथ, हम कहें तो, अपनी संपत्ति का विस्तार कर रहे हैं। और मुझे इस समय यरूशलेम में चल रहे शहरी नवीनीकरण पर एक अतिरिक्त टिप्पणी करने दीजिए। अब, यह हिजकिय्याह के समय के दौरान है।

हिजकिय्याह एक अच्छा राजा था, लेकिन जाहिरा तौर पर, वह भूमि मालिकों के विस्तार में मदद करने और लोगों के घरों को लेने के लिए जिसे हम प्रतिष्ठित डोमेन कह सकते हैं उसका उपयोग करने में भी शामिल हो गया। अब मैं दिखाऊंगा कि इससे मेरा क्या मतलब है। यह यशायाह अध्याय 22, श्लोक 9 से 11 से आता है।

आपने, यानी लोगों ने, शायद स्वयं यशायाह ने, देखा कि दाऊद के शहर की सुरक्षा में कई उल्लंघन थे। ठीक है, पहले के हमले के कारण इसे ऐसे ही छोड़ दिया गया था। तुमने निचले तालाब में पानी जमा कर लिया।

आपने यरूशलेम में इमारतों की गिनती की और दीवार को मजबूत करने के लिए घरों को गिरा दिया। निचले तालाब में पानी जमा करने के मामले में, यह एक चैनल है जिसे हिजकिय्याह ने ऊपरी झरने से शहर के निचले हिस्से में पानी लाने के लिए बनाया था। आपने पुराने तालाब के पानी के लिए दो दीवारों के बीच एक जलाशय बनाया।

वैसे, आज भी उस जगह का दौरा किया जा सकता है जब बाद में यह सिलोआम का तालाब बन जाता है जिसके बारे में हम यूहन्ना के सुसमाचार के अध्याय 9 में पढ़ते हैं। लेकिन आपने उस व्यक्ति की ओर नहीं देखा जिसने इसे बनाया या उस व्यक्ति के प्रति सम्मान नहीं दिखाया जिसने बहुत पहले इसकी योजना बनाई थी। क्या सुरक्षा का निर्माण करना गलत है? नहीं, लेकिन जब तक प्रभु किसी शहर की रक्षा नहीं करता, तब तक पहरेदार व्यर्थ ही जागता रहता है।

और जब तक प्रभु घर नहीं बनाते, तब तक निर्माणकर्ता व्यर्थ ही निर्माण करते हैं। यही वह बात है जिस पर वह बात कर रहे हैं। लेकिन यहाँ दिलचस्प बात यह है।

1967 के युद्ध के बाद, जब इज़राइल यरुशलम पर फिर से कब्ज़ा करने में सक्षम हो गया, तो सबसे पहले निर्माण कार्य शुरू हुआ, उन्हें यरुशलम के पुराने शहर का पुनर्निर्माण करने से पहले मलबे को हटाना पड़ा, एक हिस्सा जिसे यहूदी क्वार्टर के रूप में जाना जाता है। यहाँ, हमारे पास आधुनिक इमारतों के निर्माण से पहले की एक तस्वीर है जिसे आप इस बिंदु पर देख सकते हैं। और यह एक दीवार के अवशेष हैं।

यह एक बड़ी दीवार का आधार है। और मैं आपको एक पल में दिखाऊंगा कि यह कितनी बड़ी थी क्योंकि यहाँ आप एक व्यक्ति को देख रहे हैं। तो, यह एक बहुत बड़ी दीवार है।

दरअसल, जिस व्यक्ति ने इसकी खोज की थी, वह उस समय इसे ब्रॉड वॉल कह रहा था। दिलचस्प बात यह है कि इस दीवार के दोनों तरफ आप घरों के अवशेष देख सकते हैं - वे घर जिन्हें इस दीवार को बनाने के लिए तोड़ दिया गया था, शायद प्रतिष्ठित डोमेन द्वारा।

हम नहीं जानते कि इन घरों के मालिकों का क्या हुआ, लेकिन जाहिर है, भगवान दीवार बनाने वाले लोगों से कह रहे हैं, नहीं, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था। आपको मुझ पर भरोसा करना चाहिए था और उन लोगों की संपत्ति नहीं लेनी चाहिए थी जिनके घरों को आपने बर्बाद कर दिया ताकि आप यह विशेष दीवार बना सकें। खैर, यही नींव है।

अब यह कैसा दिखता है? देखिए, यह दीवार है। और ये हैं इसके चारों ओर इमारतें।

दिलचस्प बात यह है कि यहाँ कुछ घरों के अवशेष हैं जिन्हें मैंने पिछली स्लाइड में दिखाया था। और आपको आश्चर्य है कि दीवार कितनी ऊँची थी? और वहाँ मूल ऊँचाई है, आठ मीटर, लगभग 24 फीट। अब, हमें कैसे पता चला कि यह इतनी ऊँची थी? खैर, क्योंकि जब वे इमारतें बनाने के लिए जगह साफ कर रहे थे तो दीवार का हिस्सा जो मलबा था, वह उन्हें मिला।

और मलबे की मात्रा को देखकर वे दीवार की ऊँचाई का अनुमान लगाने में सक्षम थे। तो, यह न केवल एक चौड़ी दीवार थी, और यह एक ऊँची दीवार थी। और फिर भी, जाहिरा तौर पर, यह अन्याय पर बनाया गया था।

श्लोक 11 में, हम पढ़ते हैं, उसके नेताओं ने रिश्वत के लिए फैसला सुनाया। एक मिनट रुकिए, मैंने सोचा कि यह सिर्फ भविष्यवक्ताओं ने ही किया है। नहीं, नेता ऐसा कर रहे हैं।

मिशपत दूँगा, आप जानते हैं, जिसे हम मध्य पूर्व में बखशीश कहते हैं। उसके पुजारी कीमत के लिए निर्देश देते हैं। पुजारियों को लोगों को टोरा पर निर्देश देना चाहिए था, लेकिन अब वे कीमत के लिए ऐसा कर रहे हैं।

हर कोई कार्य में शामिल हो रहा है। उसके पैगम्बर पैसे के लिए दैवीय बातें करते हैं। तौभी वे यहोवा पर भरोसा करके कहते हैं, क्या यहोवा हमारे बीच में नहीं है? विपत्ति हम पर नहीं आएगी।

हं, तुम्हें समझ में आ गया कि यहाँ क्या हो रहा है। ओह, भगवान का मंदिर, भगवान का मंदिर, भगवान का मंदिर। भगवान हमें नष्ट नहीं करेंगे क्योंकि उनका मंदिर यहाँ है।

वह अपने मंदिर को नष्ट नहीं करने जा रहा है। मूल रूप से, हर कोई रिश्वत की राशि के आधार पर अपना काम कर रहा है। कहावतें हमें यही बताती हैं।

मिशपात के तरीकों को बिगाड़ने के लिए रिश्वत मिलती है। यहाँ भ्रष्टाचार की अपवित्र त्रिमूर्ति पर ध्यान दें। भविष्यवक्ता भगवान से संदेश का दावा करते हैं, जबकि ऐसा नहीं है।

पुजारी इसे सिखाते हैं। नेता लोगों से संपत्ति वसूलने के लिए उद्धरणों में रहस्योद्घाटन का उपयोग करते हैं। अरे, हमारे पास भगवान का आशीर्वाद है।

प्रभु ने भविष्यवक्ताओं से कहा कि यह प्रभु की इच्छा है और वे इसका उपयोग लोगों का शोषण करने के लिए करते हैं। शब्दों पर ध्यान दें, यहाँ पैसे लेने के लिए तीन अलग-अलग शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। नेता न्याय के लिए रिश्वत लेते हैं।

पुजारी कीमत के लिए निर्देश देते हैं। भविष्यवक्ता धन, ठीक, या चाँदी के लिए दिव्य हैं। तो, आपके पास रिश्वत, कीमत और पैसा है।

दूसरे शब्दों में, सब कुछ सर्वशक्तिमान हिरन के लिए किया जाता है। फिर भी वे सभी सुरक्षित महसूस करते हैं। यह हमारे बीच में भगवान नहीं है।

हम सुरक्षित हैं। नेता सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि भगवान उनके साथ मंदिर में रहते हैं, लेकिन भगवान की उपस्थिति के बिना मंदिर बस एक पहाड़ी पर एक संरचना है। यिर्मयाह 7 के संदर्भ में यीशु के संदर्भ पर ध्यान दें। वह उसी चीज़ में पड़ जाता है।

यिर्मयाह के समय में, लोग कहते थे, यहोवा का मन्दिर, यहोवा का मन्दिर, यहोवा का मन्दिर, बेबीलोन के लोग यहाँ कभी नहीं आएँगे क्योंकि यहोवा अपने मन्दिर को नष्ट नहीं होने देगा। मजे की बात यह है कि यिर्मयाह कहता है, नहीं, तू ने इसे चोरों का अड्डा बना दिया है, और यह नष्ट हो जाएगा। और ज़रा देखो कि शीलो में क्या हुआ, जहाँ मेरा तम्बू नष्ट कर दिया गया। मेरी उपस्थिति वहाँ होनी चाहिए थी, लेकिन तुम बहुत दुष्ट थे। मैं ने अपना मुंह छिपा लिया, और शीलो नष्ट हो गया।

दिलचस्प बात यह है कि यीशु ने अपने समय में लोगों के लिए इस अंश को उद्धृत किया था, और लोग यिर्मयाह 7 के बारे में सोचते हैं और शायद सोच रहे हैं, हम्म, क्या इसका मतलब यह है कि यह मंदिर नष्ट हो जाएगा? खैर, यह था। यह यीशु के लगभग 40 वर्ष बाद की बात है। खैर, पुजारियों पर साइड नोट पर ध्यान दें।

वैसे, मीका ने उनका ज़िक्र सिर्फ़ इसी जगह किया है। और लोग सबसे मुश्किल मामलों को पुजारी के पास लेकर आते थे ताकि वे अपने लिए परमेश्वर की इच्छा प्राप्त कर सकें। लेकिन अब वे जो कर रहे हैं, उससे पुजारी भी भ्रष्ट हो गए हैं।

खैर, चलिए हम अपनी आखिरी आयत पर आते हैं। इसलिए, तुम्हारे कारण, भविष्यद्वक्ताओं, नेताओं और याजकों, तुम्हारे कारण, सिथ्योन को खेत की तरह जोता जाएगा। यरूशलेम खंडहरों का ढेर बन जाएगा।

और आपने उसमें से कुछ देखा, है न? मेरी पिछली स्लाइड से जो मैंने दिखाई थी। और मंदिर का पहाड़ जंगल में एक ऊंचा स्थान बन जाएगा, अंत में न्याय होगा। क्योंकि आप, बहुवचन, अपवित्र त्रिमूर्ति, राजनीतिक, भविष्यवक्ता, पुरोहित, सिथ्योन, जो यरूशलेम के बराबर है, के कारण बहुत कठोर दंड के अधीन आएंगे क्योंकि यह तीनों गतिविधियों, शासन, भविष्यवाणी और बलिदान का केंद्र है।

यह सब यरूशलेम में था। ये सभी यहूदा राष्ट्र और उनकी संस्थाओं के केंद्र थे। और नेताओं ने अन्याय और हिंसक कृत्य से यरूशलेम का निर्माण किया था, जिसे हमने श्लोक 10 में देखा था, और इसलिए वे इसके पुनर्निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं।

यह खंडहरों का ढेर बन जाएगा. आपने इसे अन्याय पर बनाया है, अब मैं इसे फिर से बनाने जा रहा हूँ, लेकिन यह अन्याय होगा। खेत की तरह जुताई की गई यह भविष्यवाणी वास्तव में यिर्मयाह के समय में पूरी हुई, जिसके बारे में हम यिर्मयाह अध्याय 26 में पढ़ते हैं।

और यहोवा का पर्वत जंगल के लिये ऊंचे स्थान बन जाएगा. जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है वह है बामा , बामोट , बहुवचन, जंगल के लिए ऊंचे स्थान। तो, एक मिनट रुकिए, मंदिर तो वहीं था, अब हम वहां लगे पेड़ों की बात कर रहे हैं? इसका संभवतः क्या मतलब हो सकता है? यहाँ कुछ सुझाव हैं।

बामोट, जैसा कि मैंने कहा, एक सांस्कृतिक स्थल के लिए एक शब्द है, लेकिन यह माउंट सिथ्योन पर होने जा रहा है। क्या बमोट प्रकृति के लिए होगा, जो सच्चे ईश्वर की पूजा करेगा? दूसरे शब्दों में, प्रकृति को यह पहचानने में कोई परेशानी नहीं होती कि उसका निर्माता कौन है। हम भजनों में पढ़ते हैं कि पेड़ प्रभु की स्तुति में ताली बजाते हैं।

तो, क्या हम भगवान की सच्ची पूजा में वहां जंगल लगा रहे हैं और इसे प्रकृति को वापस लौटा रहे हैं? यशायाह यह भी कहता है, हे पहाड़ों, हे वन, हे वन, और उसके सब वृक्षों, आनन्द से जयजयकार करो। क्या छवि यही है, कि यह अंततः कुछ ऐसी चीज़ में बदल जाएगी जो सच्चाई से प्रभु की आराधना करेगी? या क्या जंगल बिना किसी प्रशंसा के जंगली जानवरों, बर्बादी और मौत का स्थान दर्शाता है? हम इसे श्रोता पर एक अभ्यास के रूप में छोड़ देते हैं। खैर, सबक क्या हैं? यहां, मैं लेस्ली एलन की टिप्पणी, पृष्ठ 321 का सारांश प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो प्रासंगिक है।

मीका के शब्दों को यिर्मयाह के समय में याद किया गया था, और वह लगभग 150 साल बाद की बात है। उन्हें आज भी याद किया जाना चाहिए क्योंकि परमेश्वर के लोगों की हर पीढ़ी को मीका के शब्दों को दिल से लेना चाहिए। अर्थात्, परमेश्वर के लोगों को आपकी कमी महसूस नहीं होनी चाहिए; परमेश्वर की सेवा व्यक्ति की अपनी महिमा और लाभ के लिए एक आवरण है। और मैं आपसे एक प्रश्न पूछता हूँ: क्या आप ऐसे किसी उदाहरण के बारे में सोच सकते हैं जो न केवल

समाज के नागरिक हिस्से में, बल्कि समाज के धार्मिक हिस्से में भी हो, जहाँ लोग अपनी जेबें भरने में अधिक रुचि रखते हैं, बजाय इसके कि वे वह करें जिसके लिए उन्हें संस्था में रखा गया है, जिसके लिए उन्हें वोट दिया गया है या जिसके लिए उन्हें नियुक्त किया गया है, जो भी मामला हो।

और मीका के शब्द हमें चेतावनी देते हैं कि आधुनिक अभिव्यक्ति का उपयोग करते हुए, बिना काम किए बात न करें। दूसरे शब्दों में, पंथ और आचरण सुसंगत होना चाहिए। और मीका के समय में ऐसा बिल्कुल नहीं था।

और बाकी विचार मैं आप पर छोड़ता हूँ। इसके साथ ही, मैं कई भाषाएँ सीखूँगा। धन्यवाद।

स्वस्थ रहें।

यह डॉ. एलेन और पेरी फिलिप्स हैं और मीका की पुस्तक, बेल्टवे के बाहर पैगंबर पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 4, मीका 3 है।